Seat No. : _____

AD-112(H)

April-2025

B.A., Sem.-VI

CC-313 : Sociology

(Social Psychology)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

सूचना : दायीं ओर के अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

1. समाजलक्षी मनोविज्ञान का अर्थ एवं विषय-वस्तु समझाइए । **14**

अथवा

1. समाजशास्त्र एवं समाजलक्षी मनोविज्ञान में सम्बन्ध समझाइए । **14**

2. बोध के अर्थ एवं रचना का वर्णन कीजिए । **14**

अथवा

2. प्रेरकों का अर्थ दीजिए एवं समाजजन्य प्रेरकों की चर्चा कीजिए । **14**

3. सामाजिक अभिवृत्ति में परिवर्तन लाने वाले कारकों को समझाइए । **14**

अथवा

3. बोगार्डस का अभिवृत्ति मापन पैमाना समझाइए । **14**

4. प्रत्यक्षीकरण के कारक समझाइए । **14**

अथवा

4. प्रत्यक्षीकरण में परिवर्तन के कारक समझाइए । **14**

5. रिक्त स्थान भरिए : (कोई **सात**) **14**

(1) समाजलक्षी मनोविज्ञान समाज में _____ के व्यवहार का अध्ययन करता है ।

(व्यक्ति, प्राणी, समुदाय)

(2) समाजशास्त्र _____ विज्ञान है । (व्यक्ति, समूह, प्राणी)

(3) _____ सामाजिक व्यवहार में प्रतिबिंबित एक महत्वपूर्ण मूल मनोवैज्ञानिक कारक है ।

(प्रेरक, बोध, समूह)

(4) व्यवहार के चालक बल _____ के रूप में जाने जाते हैं । (अभिवृत्ति, जनमत, प्रेरक)

(5) _____ सामाजिक अंतरमापन पद्धति से संबंधित है । (बोगार्डस, लिकर्ट, थर्स्टन)

(6) _____ एक अवस्था है जो व्यवहार के लिए उत्तेजना प्रदान करती है । (उद्दीपक, सूचना, आदेश)

(7) प्रत्यक्षीकरण मूलभूत _____ प्रक्रिया है । (रचनात्मक, मनोवैज्ञानिक, संगठित)

(8) प्रत्यक्षीकरण का प्रथम घटक _____ है । (संवेदन, वंदना, प्रार्थना)

(9) _____ अभिवृत्तियाँ, सकारात्मक अभिवृत्तियाँ हैं । (धृणा, उत्पीड़न, उपकार)

(10) _____ प्रेरक जन्मजात होते हैं । (प्रेरणा, समाजजन्य, जैविकजन्य)

(11) व्यक्ति _____ द्वारा अभिवृत्ति सीखता है । (सामाजिक क्रिया, सामाजिक आंतरक्रिया, क्रिया)

(12) _____ व्यवहार की दिशा और निरन्तरता सूचक प्रक्रिया है । (प्रेरणा, प्रेरक, उपदेश)

_____